CRIME BS इंडिया आपतक आपकी आवाज़ NEWS

साप्ताहिक आवाज भंडारा

मुख्य संपादक : नौशिया खान

कार्यकारी संपादक : शुभम देशमुख

● वर्ष -३ ● अंक - ५८ ● बुधवार दि.२७ नवंबर २०२४ ● RNI No.-MAHBIL/2021/80357 ● पृष्ठ -४ मुल्य -२ रू. ● Gmail-awazbhandara@gmail.com

विधायकी का प्रमाणपत्र लेकर मंत्री की चाह लेकर मुंबई पहुंचे

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिले के तीनों विधानसभा सीटों के नतीजे शनिवार को देर शाम तक घोषित होने के बाद भंडारा के विधायक नरेंद्र भोंडेकर तथा तुमसर के विधायक राजू कारेमोरे जीत के प्रमाणपत्र लेकर तत्काल मुंबई के लिए रवाना हो गए, जो मुंबई पहुंच गए है। इसके पूर्व महायुति के दोनों उम्मीदवारों ने अपने-अपने क्षेत्र में विजयी रैली निकालकर सभी मतदाताओं का आभार माना।

राज्य विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार बनने जा रही हैं। सत्ता स्थापना के दौरान नई सरकार में भोंडेकर तथा कारेमोरे को मंत्री पद मिले, इस चाह में वे दोनों अपने समर्थकों के साथ मुंबई के लिए रवाना हो गए है। बता दें कि भोंडेकर तीसरी बार विधायक चुने गए है। वहीं रिकार्ड वोटों से दूसरी बार राजू कारेमोरे विधायक बने है। उन्होंने स्थानीय शरद गुट के नेता चरण वाघमारे को 64 हजार 305 वोटों से पराजित किया है। इस बड़ी जीत से कारेमोरे का कद पार्टी के सामने बढ़ गया है। वहीं कारेमोरे यह सांसद प्रफुल पटेल के करीबी माने जाते है। ऐसे में उन्हें लाभ मिलता है या नहीं यह कुछ समय में स्पष्ट हो जाएगा। लेकिन इस विधानसभा चुनाव के नतीजे सभी को चौंकाने वाले थे। विशेषकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले की साकोली सीट के नतीजे सर्वाधिक चर्चा में रहे है।

पहले जीत का जश्न, फिर लिया प्रमाणपत्र

जिले में भंडारा व तुमसर विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को सुबह 8 बजे मतगणना शुरू हुई। शुरूआती रुझानों से महायुति के उम्मीदवार नरेंद्र भोंडेकर और राजू कारेमोरे निरंतर आगे रहे। जिससे उनके समर्थकों व कार्यकताओं ने दोपहर से ही जीत का जश्न मनाना शुरू किया था।

जगह-जगह आतिशबाजी कर गुलाल उड़ाकर व मिठाई बांटकर जश्न मनाया। देर शाम में लगभग जीत पक्की कर दोनों उम्मीदवारों ने विजयी रैली निकाली। तत्पश्चात देर रात उन्होंने चुनाव विभाग से जी की मुहर का विधायकी का प्रमाणपत्र स्वीकार किया। जिले में आखिर तक संभ्रम में रही साकोली विधानसभा सीट पर देर रात जीत की मुहर लगने पर चुनाव निर्णय अधिकारी अश्विनी मांजे से नाना पटोले की पत्नी मंगला पटोले ने जीत का प्रमाणपत्र स्वीकार किया। भंडारा विधानसभा में महायुति के शिवसेना (शिंदे गुट) के उम्मीदवार भोंडेकर ने पहले राउंड से बढ़त कायम रखी। भंडारा में सर्वाधिक 32 फेरियां हुई थी। जिसमें से करीब 15वीं फेरी के पश्चात कायकताओं एवं समर्थकों ने जश्न मनाया और विजयी रैली निकाली गई। देर रात 8.30 बजे कुल 32 फेरियां पूरी हुई। जिससे रैली के बीच चुनाव में जीत का प्रमाणपत्र लेने के लिए वह पुलिस बहुदेशीय हॉल में पहुंचे। वहां चुनाव निर्णय अधिकारी गजेंद्र बालपांडे पांडे के हाथों उन्हें चुनाव प्रमाणपत्र दिया गया। इसी तरह तुमसर में महायुति के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित गुट) के उम्मीदवार राजू कारेमोरे की पहली फेरी से जीत पर मुहर लगाना शुरू किया। तुमसर में 25 फेरियां निधार्रीत थी। तुमसर में चुनाव निर्णय अधिकारी दर्शन निकालजे ने कारेमोरे के प्रतिनिधि विकास लेंडे को प्रमाणपत्र सौंपा। साकोली में 28 फेरियां निधार्रीत थी

नप चुनाव की बढ़ी सरगर्मी

मामला न्यायालय में, पर इच्छुक होने लगे सक्रिय

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : विधानसभा चुनाव अब समाप्त हो गया है. मतदाताओं ने महावृत्ति को इतने अधिक वोट देकर जिताया कि महायुति के नेता, रणनीतिकारों और उम्मीदवारों ने भी कभी सपने में भी इसके बारे में नहीं सोचा होगा. अब सरकार बनाने के प्रयास शुरू हो गए है. इसके साथ ही अब राज्य के स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव चुनाव की सरगर्मियां भी शुरू हो गई है. इन सरगर्मियों को नेता और राजनीतिक हस्तियों की ओर से हवा दी जा रही है. विधानसभा चुनाव के दौरान ही इस बात को नेताओं ने बल देना प्रारंभ किया. नतीजतन अब स्थानीय नेता, कार्यकर्ता और नगर परिषद चुनाव लडने इच्छुकों के हौसले बुलंद हो गए हैं. अब वॉर्ड और प्रभाग में लोगों से मिलने, उनसे चर्चा करने और छोटे मोटे काम करवाने का प्रयास एक बार फिर शुरू कर दिया गया है. बता देना आवश्यक है कि नगर परिषद में नगर सेवक का कार्यकाल समाप्त हुए लगभग 33 माह बीत गए हैं.

इसलिए नगर निगम पर इतने लंबे समय से प्रशासकराज कायम है. इस कारण आम लोगों की नगर निगम में सीधे भागीदारी समाप्त हो गई है. आम लोग नगर सेवकों के माध्यम से नगर निगम से जुड़े रहते थे. लेकिन नगर सेवक ही नहीं है तो लोगों के काम कौन करेगा? अपने काम नहीं होने से नागरिक परेशान हैं और उन्हें अब नगर सेवकों की याद सता रही है.

जिले की 4 नगर परिषदों में प्रतीक्षा

भंडारा जिले में भी नगर परिषद के चुनाव लडने इच्छुकों की अधिक है. भंडारा जिलों में 4 नगर परिषद है और चारों में पिछले पौने तीन माह से चुनाव नहीं हुए हैं. भंडारा नगर निगम में 33 प्रभाग बनाए गए है. इसके अलावा इस नगर परिषद की सीमा में निकट के भोजापुर, बेला, गणेशपुर, मुजवी, जमनी, खोकरला, केसलवाडा आदि ग्रामों का समावेश करने का प्रयास शुरू है. लेकिन यह प्रयास सफल हो पाएंगे या नहीं इस बारे में अभी कुछ कहना बेमानी हो सकता है. संभव है यह मामला न्यायालय में चला जाए, इसलिए अभी से भंडारा नगर परिषद की सीमा वृद्धि होने की संभावना नहीं के बराबर है. भंडारा के अलावा पचनी, साकोली और तुमसर नगर निगम के चुनाव अधर में लटके हुए हैं.

अभी तक फैसला नहीं

यह चुनाव न्यायालय में मामला प्रलंबित रहने के कारण नहीं हो पाए हैं. चुनाव में ओबीसी वर्ग को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने का सवाल है. न्यायालय की ओर से इस मामले में अभी तक अपना फैसला नहीं सुनाया गया है. यह फैसला जब तक नहीं आता, तब तक नगर निगम के चुनाव नहीं हो पाएंगे. इस बात को सत्ता पक्ष और विपक्ष के लोग भलीभांति जानते हैं. फिर भी चुनाव जल्दी होने की बात को हवा दी जा रही है. इतना ही नहीं तो फरवरी या मार्च में नगर निगम के चुनाव होने की चर्चा जोर पकड़ रही है.

तैयारी होने के बाद भी चुनाव लटके बताया जा रहा है कि कुछ सालों के पूर्व जिले की चारों नगर परिषद के चुनाव की पूरी तैयारियां हो गई थी. प्रभागों का नये सिरे से गठन किया गया. सभी इच्छुक उम्मीदवारों ने भी तैयारी कर ली थी. लेकिन जब चुनाव टले तो सभी इच्छुक उम्मीदवार निराश हो गए. इन इच्छुकों ने चुनाव के पूर्व ही मोटी राशि खर्च की थीं. चुनाव टलने से उनका वह खर्च पानी में बह गया. इसलिए उन्होंने चुनाव से अपना ध्यान हटा दिया था. अब चुनाव की चर्चा शुरू होने से कुछ इच्छुक पुनः सक्रिय होने लगे हैं.

साखड़ी में मुर्गा बाजार पर मारा छापा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : तुमसर तहसील के साखड़ी गांव के खेत परिसर में चल रहे मुर्गा बाजार पर तुमसर पुलिस ने अचानक छापा मारकर जुआ खेलने वाले पांच व्यक्तियों को अपनी हिरासत में ले लिया है. इस छापामार कार्रवाई में पुलिस के हाथ करीब 2 लाख 32 हजार 210 रुपये का माल लगा है. पुलिस उपनिरीक्षक विजय पंचबुद्धे के नेतृत्व में पुलिस दल टीम ने 24 नवंबर को दोपहर 3 बजे के दौरान उक्त छापामार कार्रवाई की है. पुलिस उपविभागीय अधिकारी तुमसर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में इस छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया गया. पुलिस ने घटनास्थल से साखड़ी निवासी अजय रहांगडाले, पांढराबोडी निवासी विलास रोहनकर, तुमसर निवासी उमाशंकर निखारे, रामपुर निवासी अर्जुन लिल्हारे और तुमसर निवासी विक्रांत बनसोड़ को अपनी हिरासत में लिया है. इस कार्रवाई में 2 लाख 32 हजार 210 रुपये का माल जब्त करने में पुलिस विभाग को सफलता मिली है. मुर्गे लड़ाकर जुए के रूप में हार जीत का खेल ग्रामीण क्षेत्र में अनेक स्थानों पर खेला जाता है. इस कानून के तहत तुमसर पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

चुनाव में दिग्गज उम्मीदवारों की हार

प्रचार और खर्च के बावजूद मतदाताओं ने दी कड़ी सीख

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : विधानसभा के चुनाव में अनेक दिग्गज उम्मीदवारों ने अपनी ताकत दिखाई. कईयों ने खूब धन खर्च किया. कईयों ने जमकर प्रचार किया. कईयों ने तो प्रचार में प्रमुख राजनीतिक दलों को भी पीछे छोड़ दिया. लेकिन मतदाताओं ने उन्हें उनकी जगह दिखा दी है. कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रहे प्रेमसागर गणवीर कांग्रेस से भंडारा विधानसभा सीट से उम्मीदवारी चाहते थे. लेकिन उन्हें उम्मीदवारी नहीं मिली.

नतीजतन उन्होंने कांग्रेस से बगावत कर निर्दलीय चुनाव मैदान में कूद पड़े. जमकर प्रचार किया. लेकिन उन्हें महज 3,060 वोट प्राप्त हुए. भंडारा से ही चुनाव लड़े देवांगना गाढवे को बतौर निर्दलीय 1,984 वोट प्राप्त हुए. जबकि देवांगना गाढवे 2014 के चुनाव में बसपा की टिकट पर चुनाव मैदान में उतरी थी. उस समय उन्हें 46,576 वोट मिले थे. देवांगना को मिले इतने जबरदस्त वोटों की वजह से उस समय के और वर्तमान विधायक नरेंद्र भोंडेकर को तीसरे स्थान पर खिसकना पड़ा था. शिवसेना (उबाठा) जिला उपप्रमुख और पूर्व जिप उपाध्यक्ष दीपक गजभिये ने भी चुनाव मैदान में किश्मत आजमाई. लेकिन मतदाताओं ने उन्हें भी कहीं का नहीं रखा. उन्हें महज 327 वोट मिलें. सेवक वाघाये को महज 1,377 वोट मिले तुमसर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से प्रहार जनशक्ति पार्टी के उम्मीदवार सेवक वाघाये ने किस्मत आजमाई. कभी साकोली के विधायक रहे सेवक वाघाये पिछली बार वंचित बहुजन आघाड़ी के उम्मीदवार थे.

उस समय उन्हें 25 हजार से अधिक वोट प्राप्त हुए थे. इस बार उन्होंने अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर को 4 दिनों तक प्रचार में उतारा. इसके बाद भी केवल 1,377 वोटों से मतदाताओं ने उन्हें निपटा दिया. बड़े ही जोर-शोर से तुमसर विधानसभा क्षेत्र में अखाड़े में उतरे निर्दलीय ठाकचंद मुंगुसमारे और धनेंद्र तुरकर को क्रमशः 5,485 और 1,930 वोट मिलें. उनके प्रचार और तैयारी को देखते हुए मतदान बेहद कम है. लेकिन कौन क्या कर सकता है. लोकतंत्र में मतदाता ही सर्वोपरी है.

भाजपा के बागी करंजेकर ठगे गए

साकोली विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के बागी निर्दलीय उम्मीदवार सोमदत्त करंजेकर के बारे में यह कहना गलत नहीं होगा कि वे ठग लिए गए हैं. भाजपा से बगावत करने के बाद उन्हें पार्टी के कई नेता और पदाधिकारियों का समर्थन मिला था, और कुछ को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित भी किया गया. लेकिन उनका यह बलिदान काम नहीं आया और चुनाव में उनका कोई प्रभाव नहीं दिखा.

वे कार्यकताओं की मदद से हवा का रुख बदलने में सफल नहीं हो सके, परिणामस्वरूप, उन्हें केवल 18,309 वोट मिले. उन्होंने जिस तरह से प्रचार अभियान चलाया और खुले दिल से खर्च किया, उसे देखते हुए इस संख्या का कोई महत्व नहीं रह जाता. लोकस्वराज्य पार्टी के गोविंदराव ब्राम्हणकर को भी मतदाताओं ने 395 वोट देकर उनकी स्थिति स्पष्ट कर दी.

जीत से लाजवाब पराजय !

साकोली विधानसभा का परिणाम: एक नई चेतना का आगाज

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : साकोली विधानसभा का परिणाम इस बार एक ऐतिहासिक संदेश लेकर आया. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और धाकड़ नेता नाना पटोले ने बड़ी मुश्किल से पोस्टल बैलट के भरोसे 208 वोटों से भाजपा के अविनाश ब्राम्हणकर पर जीत हासिल की. यह नतीजा प्रस्थापित नेताओं को जनता की भावनाओं और विकास के नाम पर किए गए राजनीतिक खेलों का आईना दिखाने वाला है. हालांकि, एक बार फिर सत्ता पक्ष ने जीत हासिल की, लेकिन चर्चा जीत से अधिक उस पराजय की ही रही है, जो हर असम कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा बन गई.

ब्राम्हणकर व कार्यकताओं ने दिया एकजुटता का संदेश पटोले ने साकोली सीट से जीत तो दर्ज कर ली लेकिन भाजपा के उम्मीदवार अविनाश ब्राम्हणकर ने अपने संघर्ष और कार्यकताओं की एकजुटता से यह साबित कर दिया कि एक आम कार्यकर्ता भी अपने दम पर प्रस्थापित नेताओं को कड़ी टक्कर दे सकता है. अविनाश ब्राम्हणकर ने सामान्य लोगों के साथ अपनी गहरी जुड़ाव और विकास के प्रति प्रतिबद्धता से यह संदेश दिया कि राजनीति अब केवल बड़े नामों का खेल नहीं रह गई है. ताकतवार नेता पटाले को संघर्ष करने पर किया मजबूर हालांकि यह परिणाम उनके लिए पराजय लेकर आया, लेकिन यह पराजय भी जीत से बड़ी बन गई. एक ताकतवर और स्थापित नेता को अंत तक संघर्ष करने के लिए मजबूर कर देना, और मामूली अंतर से हार तक पहुंचाना, यह साधारण बात नहीं है. सही मायनों में ईवीएम में मिले वोटों में पटोले हार गए लेकिन सर्विस बोटर जी पुरानी पेंशन के लिए कांग्रेस को वोट करते हैं, उन्होंने पटोले का बेड़ा पार लगाया. पराजय के बावजूद ब्राम्हणकर ने साकोली में अभिवादन रैली निकाली जिसे जनता का अच्छा प्रतिसाद मिला.

समर्पण का प्रतीक

यह चुनाव केवल एक नतीजा नहीं था, बल्कि यह उस मेहनत और समर्पण का प्रतीक है जो कार्यकताओं ने अविनाश ब्रह्मणकर के लिए झोंक दी. भाजपा के सहयोगी दलों और कार्यकताओं ने जिस एकजुटता का परिचय दिया. उसने इस मुकाबले को ऐतिहासिक बना दिया, यह पराजय साबित करती है कि जनता के दिलों में अब एक नई उम्मीद और एक नई सोच ने जन्म लिया है. साकोली विधानसभा क्षेत्र को इस चुनाव के माध्यम से एक नया नेतृत्व मिला है. भले ही यह नेतृत्व अभी विधायक की कुर्सी तक न पहुंचा हो, लेकिन जनता के मन में यह जगह बना चुका है. अविनाश ब्रहमणकर ने इस चुनाव में अपनी मेहनत और लगन से साकोली में राजनीति की दिशा बदल दी है. यह पराजय भी विजय से कम नहीं है, और यह साकोली के भविष्य की राजनीति को एक नई दिशा देने वाला है.

कांग्रेस 3 जिलों से हुई आउट

विदर्भ में स्थिति : 40 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद अपेक्षित सफलता नहीं

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : विदर्भ की 62 में से 40 सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा. हर जिले में कांग्रेस के उम्मीदवार मैदान में थे. लेकिन अमरावती, गोंदिया और वर्धा जिलों से कोई भी उम्मीदवार निर्वाचित नहीं हो सका. अमरावती जिले के धामनगांव रेलवे से वीरेंद्र जगताप, अमरावती से सुनील देशमुख, तिवसा से यशोमति ठाकुर, मेलघाट से डॉ. हेमंत चिमोटे और अचलपुर से अनिरुद्ध उर्फ बबलू देशमुख ने चुनाव लड़ा था. वर्धा जिले के देवली से रणजीत कांबले, वर्धा से शेखर शेंडे, गोंदिया जिले के अजुर्नी मोरगांव से दिलीप बंसोड़, गोंदिया से गोपालदास अग्रवाल और आमगांव से राजकुमार पुराम चुनाव मैदान में थे.

पूर्व मंत्री यशोमति ठाकुर हारी : पूर्व मंत्री यशोमति ठाकुर ने अमरावती जिले से कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया. उन्होंने पिछले तीन चुनाव जीते. इस बीच वह महाविकास अघाड़ी सरकार में मंत्री भी रहीं. दिलचस्प बात यह है कि उन्हें विदर्भ से लगातार निर्वाचित होने वाली एकमात्र महिला विधायक होने का गौरव भी प्राप्त हुआ.

लेकिन इस चुनाव में उन्हें बीजेपी के राजेश वानखड़े से हारना पड़ा. इसके साथ ही वर्धा जिले के देवली का प्रतिनिधित्व करने वाले रणजीत कांबले भी बीजेपी के राजेश बकाने से हार गए.

विदर्भ में मौजूदा विधायकों की हार

तीन जिलों से कांग्रेस का पूरी तरह सफाया हो गया. वहीं, कांग्रेस के मौजूदा विधायक भी हार गए. इन मौजूदा विधायकों में बुलढाना जिले के मलकापुर के राजेश एकडे, चंद्रपुर जिले में राजुरा के सुभाष धोटे, अमरावती जिले के तिवसा की यशोमति ठाकुर, वर्धा जिले के देवली के रणजीत कांबले हार गए. इसके अलावा सिंदखेड राजा से एनसीपी के मौजूदा विधायक शरद चंद्र पवार पार्टी के राजेंद्र शिंगणे को भी हारना पड़ा.

संपादकीय

बीज प्रमाणीकरण यंत्रणा करा गतिमान

एकीकडे राज्य शासनाची बीज प्रमाणीकरण यंत्रणा खिर्व्य खळी झाली असताना, दुसरीकडे शेतकरी उत्पादक संस्थांना (एफपीओ) बीजोत्पादनात आणा, अशा सूचना केंद्र सरकारने दिल्या आहेत. देशभरातील एफपीओंना बीजोत्पादनात आणण्यासाठी त्यांना पायाभूत बियाण्यांसह सर्व पायाभूत सुविधा देऊन बोज उत्पादनासाठी उभे करा, बीज प्रक्रिया केंद्र उघडण्यासाठी त्यांना कर्ज तसेच केंद्र राज्य शासनाची मदत मिळवून द्या. एवढेच नाही तर एफपीओंनी बीजोत्पादन केल्यानंतर सर्व बियाणे संबंधित राज्य व केंद्रांच्या बियाणे कंपन्यांनी विकत घ्यावे, अशाही सूचना देण्यात आल्या आहेत.

या सर्व प्रक्रियेमध्ये बीज प्रमाणीकरण यंत्रणेने किमान दोन वेळा बीजोत्पादन कार्यक्रमाला भेट देऊन संबंधित शेतकरी, एफपीओंना बीजोत्पादनाची परिपूर्ण माहिती, पीक सल्ला या, असे स्पष्ट आदेश पण देण्यात आले आहेत. शुद्ध बीजापोटी, फळे रसाळ गोमटी याद्वारे संत तुकाराम महाराजांनी तेराव्या शतकातच बियाण्याचे महत्त्व सांगितले आहे. बियाणे ही शेतीतील मुख्य निविष्ठा आहे. बियाणे चांगले नसेल तर पुढे त्या पिकावर केलेला सर्व खर्च, कष्ट याला काहीही अर्थ उरत नाही, शेतक यांचे संपूर्ण पीक एवढेच काय तर हंगाम वाया जातो. बीज प्रमाणीकरणाला एवढे महत्त्व दिले जात असताना राज्यातच नव्हे तर देशभर ही यंत्रणा सक्षम करायला पाहिजेत. बियाण्याची गुणवत्ता, शुद्धता, त्यांचे प्रमाणीकरण हे सगळे मुद्दे अत्यंत महत्त्वाचे आणि तितकेच नाजूक आहेत. या सर्व बाबी राज्याच्या बीज प्रमाणीकरण यंत्रणेच्या कक्षेत येतात. राज्यात नेमकी हीच यंत्रणा कृषी विभागाने खिळखिळी करून ठेवली आहे. जो कृषी विभाग गुणनियंत्रणाशी संबंधित खुर्च्या बळकाविण्यासाठी धडपडतो, तिथे मोठी वशिलेबाजी होते, त्यात अनेक गैरप्रकारही घडतात, तोच कृषी विभाग बीज प्रमाणीकरण यंत्रणेकडे जाण्यासाठी मात्र दुर्लक्ष करतो. परिणामी, बीज प्रमाणीकरण यंत्रणेतील पदे भरली जात नाहीत. त्यामुळे वेळेत प्रमाणीकरण होत नाही.

प्रमाणीकरणात इतर कर्मचारी-अधिकारी यांवर कामाचा ताण पडतो अशावेळी ही यंत्रणा आपल्याला सक्षम करावीच लागणार आहे. बीज प्रमाणीकरण यंत्रणेचा प्रमुख हा राज्याचा ज्येष्ठ संचालक दजार्चा अधिकारी असायला हवा, तशी तरतूदही असताना या पदावर काम करायला कोणी तयार होत नाही. त्यामुळे संपूर्ण राज्याची बीज प्रमाणीकरण यंत्रणा सध्या एका दुय्यम अधिकाऱ्याच्या शिरावर उभी आहे. मनुष्यबळाच्या अभावाबरोबर या यंत्रणेकडे पायाभूत सुविधा नाहीत. तिथे काम करणाऱ्या कर्मचारी-अधिकाऱ्यांना कोणते प्रोत्साहन मिळत नाही. अशा अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितीमध्ये देखील राज्यातील बीज प्रमाणीकरण यंत्रणेतील अधिकारी-कर्मचारी चांगले काम करीत आहेत. केंद्र शासनाने गुणवत्तापूर्ण बीजोत्पादन आणि पुरवठ्यासाठी देशभर 'साथी' नावाची प्रणाली सुरू केली असून, यात महाराष्ट्र प्रथम क्रमांकावर आहे. अशा यंत्रणेला राज्यात पुरेसे मनुष्यवळ, सर्व पायाभूत सुविधा, प्रोत्साहन, यात उल्लेखनीय काम करणाऱ्यांचा गौरव केला गेला तर ही यंत्रणा राज्यात बीजोत्पादनात चमत्कार घडल्याशिवाय राहणार नाही. राज्यातील बीज प्रमाणीकरण संचालक पदावर पूर्णवेळ, योग्य त्या पात्रतेचा संचालक बसवायला हवा. विशेष म्हणजे संपूर्ण राज्यासाठी असलेल्या संचालकांना क्षेत्रीय पातळीवर नको तर कृषी आयुक्तालयातच बसवायला हवे. असे झाले तरच तो संचालक सर्वांशी योग्य समन्वयातून व्यवस्थित काम करू शकेल, बीज प्रमाणीकरण यंत्रणेचे पालकत्व राज्याच्या कृषी सचिवाकडे आहे. असे असताना कृषी आयुक्तांचे तसेच सचिवांचे या यंत्रणेकडे वेळोवेळी दुर्लक्ष झाले आहे. राज्याचा बियाणे उद्योग हा ब्र्यापैकी खाजगी कंपन्यांच्या हाती गेलेला आहे. बहुतांश खासगी कंपन्या चांगले काम करीत आहेत. अशा उद्योगाला बीज प्रमाणीकरण यंत्रणेकडून लालफितशाहीऐवजी जलद सेवेची गरज आहे.

१२८ केंद्रांना खरेदीची मंजुरी, जिल्ह्यात ७६ हमीभाव केंद्र सुरू

व्यापाऱ्यांकडून शेतकऱ्यांची लूट: पर्याप्त खरेदी केंद्रांअभावी हमीभाव मिळेना

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिल्ह्यात आता धानाची कापणी ९५ टक्क्यांपेक्षा अधिक तर मळणीचे प्रमाणही ८० टक्क्यांपर्यंत पोहोचले आहे. जिल्हा पणन महासंघाकडून जिल्ह्यात १२८ केंद्रांना धान खरेदीसाठी शेतकऱ्यांची ऑनलाइन नोंदणी करण्यासाठी परवानगी देण्यात आली. त्यापैकी केवळ ७६ केंद्रांवर प्रत्यक्ष धान खरेदीला सुरुवात झाली असून, शुक्रवारपर्यंत १ लाख क्विंटल धानाची खरेदी झाली आहे. अद्यापही पर्याप्त धान खरेदी केंद्र सुरू झालेली नसल्याने व्यापाऱ्यांचे फावत आहे.

यंदा धान खरेदी केंद्रांअभावी व्यापाऱ्यांना मोकळे रान आहे, पैशांची गरज असल्याने शेतकरी व्यापाऱ्यांच्या दारात उभे राहात आहेत. शेतकऱ्यांच्या अगतिकतेचा फायदा धान खरेदी करणाऱ्या खासगी व्यापाऱ्यांकडून घेतला जात आहे.

मात्र, आर्थिक कोंडीत सापडलेला

शेतकरी हतबल आहे. यंदा शासनाने धानाला २ हजार ३२० रुपये हमीभाव जाहीर केला. या हमीभावापेक्षा कमी दराने धानाची खरेदी करणाऱ्या खासगी व्यापाऱ्यांवर कारवाई करण्याचे अधिकार शासनाने बाजार समितीला दिले आहेत. परंतु, कुठेही कारवाई होताना दिसत नाही.

केवळ नोंदणी, प्रत्यक्ष खरेदी केव्हा?

जिल्ह्यात १२८ धान खरेदी केंद्रांना धान खरेदीसाठी शेतकऱ्यांच्या ऑनलाइन नोंदणीची परवानगी देण्यात आली आहे. परंतु, शासकीय धान खरेदी केंद्र मोजक्याच ठिकाणी सुरू झाली आहेत. त्यामुळे दीड महिन्यापासून शेतकरी शासकीय धान खरेदी केंद्र सुरू होण्याच्या प्रतीक्षेत आहेत. केवळ ऑनलाइन नोंदणीच करणार तर धान खरेदी केंद्र केव्हा सुरु होणार, असा प्रश्न शेतकयांकडून विचारला जात आहे.

वैधमापन यंत्रणा लक्ष देणार का?

मोजमापात मोठ्या प्रमाणात 'पाप' होण्याची शक्यता नाकारता येत नाही. त्यातच वाहन खर्च, मालाच्या प्रतीनुसार वेगवेगळे भाव व मोजमापासाठी लागणारा विलंब व कमी दरात धान खरेदी होत असल्याने शेतकरी कंगाल होत आहे. यंत्रणेकडून वजनकाटे व मापांची तपासणे गरजेचे आहे.

खासगीच्या मापातही हातचलाखी

व्यापारी आधीच धानाला भाव कमी देत असताना वजन काट्याच्या मोजमापातही हातचलाखी होत आहे. धान मोजणीसाठी काही ठिकाणी २५ किलो तर काही ठिकाणी ४० किलो मोजमाप केले जाते. वापरल्या जाणाऱ्या मापांबद्दल शेतकऱ्यांना शंका आहे.

शासकीय आधारभूत हमीभाव केंद्र केव्हा सुरू होणार?

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

करडी (पालोरा) : शेती हा मुख्य व्यवसाय असलेल्या मोहाडी तालुक्यातील करडी परिसरात अद्यापही शासकीय आधारभूत हमीभाव केंद्र सुरू झालेले नाही. त्यामुळे शेतक-यांच्या अडचणी वाढल्या आहेत. शासकीय हमीभाव केंद्र केव्हा सुरू होणार, असा प्रश्न शेतक-यांकडून विचारला जात आहे.

खतांचे भाव वाढले; धानाचे भाव 300 रुपयांनी गडगडले!

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : शेतीपयोगी साहित्याच्या भावात दिवसागणिक वाढ होताना दिसत आहे. पिकांच्या वाढीसाठी व भरघोस उत्पादनासाठी आवश्यक रासायनिक खताच्या किमतीत मागील दहा वर्षांत ५५० रुपयांनी वाढ झाली आहे; परंतु यंदा शासकीय हमी भाव केंद्र सुरू न झाल्याने खासगी व्यापाऱ्यांकडून कमी दरात धानाची खरेदी सुरू आहे. परिणामी, हमीभावापेक्षा ३०० रुपयांनी धानाचे भाव गडगडले आहेत. यामुळे शेतकऱ्यांवर मोठे आर्थिक संकट कोसळले आहे.

जिल्ह्यातील खरीप हंगामात धानाचे मुख्य पीक घेतले जाते, तर रब्बी हंगामात हरभरा, गहू व तेलवर्गीय पिकांची चलती असते. दोन्ही हंगामांत रासायनिक खताशिवाय शेतकऱ्यांना पर्याय नाही. खताच्या किमती कितीही वाढल्या तरी कर्ज उचलून खते घ्यावीच लागतात. मागील दहा वर्षांच्या काळात खताची 'डीएपी'ची बॅग ८५० वरून १४०० रुपयांवर पोहोचली आहे. मात्र, पिकांचे भाव त्या तुलनेत वाढलेले नाही. उलट यंदा हमीभाव केंद्र बंद असल्याने व्यापाऱ्यांनी धानाचे भाव पाडले आहेत. शेतकऱ्यांच्या शेतमालाचे भाव दिवसेंदिवस घसरताना दिसत असल्याने उत्पादन खर्चही निघत नाही.

त्यामुळे आता समोरील काळात शेती करायची कशी? हा मोठा प्रश्न शेतकऱ्यांमध्ये उपस्थित होत आहे. खतांचे भाव ज्याप्रमाणे वाढत आहेत, त्याच टक्केवारीनुसार शेतकऱ्यांच्या धानाचा भाव जर वाढला असता, तर आज एकही शेतकरी कर्जबाजारी राहिला नसता. परंतु, सरकार कोणतेही असो शेतकऱ्यांच्या शेतमालाला भाव मिळत नाही, हेदेखील जळजळीत वास्तव असल्याची भावना शेतकऱ्यांत आहे.

आयात-निर्यात धोरण शेतकऱ्यांना मारक शासनाचे आयात-निर्यात धोरण आतापर्यंत अनेकदा शेतकऱ्यांना मारक असल्याचे दिसून येते.

देखभाल, दुरुस्तीकडे कंत्राटदाराचे दुर्लक्ष : २०२७ पर्यंत दुरुस्तीचे करारबद्ध

सिहोरात मुख्यमंत्री ग्रामसडक योजनेचे रस्ते गेले खड्ड्यात

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

चुल्हाड (सिहोरा) : सिहोरा परिसरात मुख्यमंत्री ग्रामसडक योजनाअंतर्गत ग्रामीण भागात रस्त्याचे डांबरीकरण करण्यात आले आहे. परंतु हे रस्ते खड्डेमय झाले आहेत. कंत्राटदार देखभाल आणि दुरुस्तीसाठी करारबद्ध झाले आहेत. गावांचे वेशीवर करारबद्ध असल्याचे फलक लावण्यात आले आहेत. रस्त्याचे डांबरीकरण केल्यानंतर मात्र हे कंत्राटदार देखभाल आणि दुरुस्तीसाठी फिरकले नसल्याचे दिसून येत आहे. गावकऱ्यांना खड्डयातून प्रवास करावा लागत आहे.

सिहोरा परिसरातील ग्रामीण भागात मुख्यमंत्री ग्रामसडक योजनाअंतर्गत डांबरीकरणचे जाळे विणले गेले आहे. भंडारा-बालाघाट राष्ट्रीय महामागार्ला ग्रामीण भागातील रस्ते जोडण्यात आले आहेत. हे ग्रामीण रस्ते अल्पावधीत खड्यात गेले आहेत. सुकळी नकुल ते चुल्हाड रस्त्याचे डांबरीकरण करण्यात आले आहे. महालगाव ते गोंडीटोला रस्त्याचे मुख्यमंत्री ग्रामसडक योजनाअंतर्गत डांबरीकरण झाले आहे. सन २०२७ पर्यंत रस्त्याचे देखभाल आणि दुरुस्ती करण्याचे करारबद्ध कंत्राटदार आहेत. रस्त्यावर खड्डे पडले असताना देखभाल आणि दुरुस्तीच्या कामाकडे दुर्लक्ष करण्यात आले आहेत.

महालगाव ते गोंडीटोला मार्गावर पंचायत समिती सदस्य कांचनलाल कटरे यांच्या शेतानजीक मुख्य मार्गावर भगदाड पडले आहे. पूल जमिनीत मुरला आहे. चारचाकी वाहन जाताना शेतात कोसळण्याची भीती राहत आहे. दुचाकी चालकांचे मनातही भीती राहत आहे. परंतु पुलांचे बांधकाम करण्यात आले नाही. कंत्राटदार मागार्चे अवलोकन करीत नसल्याने ही बाब त्यांचे लक्षात येत नाही.

रस्त्याची अवस्था 'जैसे थे'

साधे खड्डे बुजविण्याचे कामे करण्यात येत नाही. देखभाल आणि दुरुस्तीचे कामे कागदोपत्रीच राबविले जाते. अशा शंका गावकऱ्यांमध्ये निर्माण होत आहेत. खड्डे पडले असल्याने अपघात होण्याची शक्यता नाकारता येत नाही. सण २०२७ पर्यंत देखभाल आणि दुरुस्तीच्या कामासाठी कंत्राटदार करारबद्ध आहेत. ही मुदतवाढ कंत्राटदारांना कोरोना कालावधीत मिळाली आहे; सण २०२५ पर्यंत हा कालावधी होता. परंतु कोरोना कालावधीत २ वर्षे निघून गेल्याने कंत्राटदारांना मुदतवाढ देण्यात आली आहे. मुदतवाढ प्राप्त केल्यानंतर कंत्राटदारांनी देखभाल आणि दुरुस्तीसाठी पुढाकार घेतला नाही. यामुळे रस्त्याची अवस्था 'जैसे थे' झाली आहे.

सीसीटीव्हीबाबत मोफत प्रशिक्षण २५ नोव्हेंबरपासून

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भारत सरकार, महाराष्ट्र शासन तसेच बँक ऑफ इंडिया प्रायोजित स्टार स्वयंरोजगार प्रशिक्षण संस्था, भंडारा संस्थेद्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रमाचे २५ नोव्हेंबरपासून इन्स्टॉलेशन आणि सर्व्हिसिंग ऑफ सीसीटीव्ही कॅमेरा, सिक्युरिटी अलार्म आणि स्मोक डिटेक्टरचे १३ दिवसीय प्रशिक्षण सुरू होत आहे.

प्रशिक्षणामध्ये मूलभूत बाबी आणि इन्स्टॉलेशन ऑफ सीसीटीव्ही कॅमेरा याबाबतीतील विविध तसेच ॲडव्हान्स फीचर्स ऑफ सीसीटीव्ही, ऑटो स्कॅन, बैंक लाईट कंपनसेशन, आयसीआर, डिजिटल झूम, फोकस मोड, आयरिस मोड, व्हाईट बॅलेन्स मोड, ऑटोकुझ, ऑन स्क्रीन डिस्प्ले, ऑटो एक्सपोजर, स्पेशल फंक्शन्स, मोशन डिटेक्शन, मेंटेनन्स ऑफ सीसीटीव्ही कॅमेरा,स्मोक डिटेक्टर, कमर्शियल स्मोक डिटेक्टर कॉन्व्हेंशनल आणि ड्रेसिबल, सेन्सर टाइप्स, अल्ट्रासोनिक डिटेक्टर्स, इन्फ्रारेड डिटेक्टर, मायक्रोवेव्ह डिटेक्टर, चहा, नाश्ता, वही, पुस्तके व राहण्याची आदी सोय मोफत केली जाईल.

राख भरलेला टिप्पर नाल्यात कोसळला ; क्लीनर जागीच ठार

चालक जखमी खैरलांजी शिवारातील वळण मार्गावरील नाला कारणीभूत

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : तिरोडा येथील अदानी पावर प्लांटमधून राख भरलेला टिप्पर दावेझरी येथे जाताना राष्ट्रीय महामार्गावरील डोंगरला ते खैरलांजीदरम्यान कारागोटा नाल्यात भरधाव टिप्पर अनियंत्रित होऊन कोसळला. यात टिप्परमधील क्लीनर जागीच ठार झाला तर टिप्परचा चालक हा गंभीर जखमी झाला. हा अपघात सोमवारी सकाळी ६:३० वाजताच्या दरम्यान घडला. जितेंद्र शामराव आंबेडारे (१८, रा. सहेसपूर, जि. गोंदिया), असे मृताचे नाव असून, आकाश रामेश्वर बारबैले (२१, रा. सरांडी, ता. तिरोडा), असे जखमी चालकाचे नाव आहे.

तिरोडा येथील अदानी पावर प्लांटमधून राख भरून टिप्पर (एमएच ३६ एए ३१२१) दावेझरी येथे जात होता. तुमसर-बालाघाट राष्ट्रीय महामार्गावरील डोंगरला ते खैरलांजीदरम्यान कारागोटा हा नाला वळण मार्गावर आहे. भरधाव वेगाने असल्याने टिप्पर अनियंत्रित झाला. नाल्याचे बॅरिकेट्स तोडून टिप्पर थेट नाल्यात कोसळला. रस्त्यावरून अन्य वाहने अपघात घडल्यानंतर थांबली. त्यांनी स्थानिक नागरिकांना या अपघाताची माहिती दिली. टिप्परची चारही चाके ही वर होती तर चालकाची केबिनही खाली होती. क्लीनर जितेंद्र आंबेडारे हा जागीच ठार झाला. जखमी चालकाला टिप्परच्या केबिनमधून बाहेर काढण्यात आले.

पाच महिन्यांपूर्वीही कोसळला होता ट्रक

डोंगरला ते खैरलांजीदरम्यान कारागोटा हा नाला वळण मार्गावर आहे. येथे रस्त्यावर मोठा उतार असून, भरधाव वाहनांची येथे गती वाढते. पुढे हा नाला अगदी वळणावर आहे. त्यामुळे येथे अपघात नेहमीच घडतात. पाच महिन्यांपूर्वी येथे जुन्या नाल्यावरून ट्रक नाल्यात कोसळला होता. वळण मार्ग असलेल्या स्थळी येथे तांत्रिक दोष असल्याची शक्यता आहे.

शासनाची माफक दरात रेती देण्याच्या घोषणेनंतरही रेती मिळता मिळेना!

रेतीचे दर आवाक्याबाहेर : लाभार्थी म्हणतात, घरकुलांचे स्वप्न कधी पूर्ण होणार?

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : अवैध रेतीला चाप आणि गोरगरिबांना चढ्या भावापासून दिलासा मिळावा, यासाठी शासनाने माफक दरात वाळू उपलब्ध करून देण्याची घोषणा केली होती. परंतु, काही दिवसांपूर्वी केलेली घोषणा हवेतच विरली आहे. त्यामुळे ६०० रुपये ब्रास दराच्या रेतीचे गोरगरिबांच्या घरकुलांचे स्वप्न हे स्वप्नच राहण्याची स्थिती ओढवली आहे, तर दुसरीकडे रेती चोरट्यांकडून नदीपात्रातून वाळूची उचल होत असून, चढ्या दरात विक्री केली जात आहे.

गत दोन-अडीच वर्षांत बांधकाम साहित्यांसह वाळूचे दर मोठ्या प्रमाणात वाढले आहेत. त्या मानाने घरकुलांना फार कमी अनुदान मिळत आहे. सद्यःस्थितीत बांधकाम साहित्यांच्या किमतीत दोन पटीने वाढ झाली आहे, तर वाळूचे दरसुद्धा ४ ते ५ हजार रुपये प्रतिब्रास झाले आहेत. शासन देत असलेल्या तोकड्या अनुदानावर घरकुलाचे बांधकाम करणाऱ्यांना हा दर परवडणारा नाही.

विशेष म्हणजे रेतीला निश्चित शासकीय दर नाही. त्यामुळे रेतीमाफियांचे

राज्य सर्वत्र पाहायला मिळत आहे. त्यामुळे ते विक्री करतील त्याच दराने रेती विकत घ्यावी लागत आहे. जवळपास ४ ते ५ हजार रुपये प्रतिब्रास दराची रेती घेऊन घरकुलाचे बांधकाम गरिबांसाठी नुसते स्वप्नवत आहे. माफक दराच्या रेतीची घोषणा हवेतच विरल्याने गोरगरिबांचे स्वप्न देखील हवेतच अडकले आहे.

गरिबांचे घराचे स्वप्न पूर्ण व्हावे, म्हणून शासनाने माफक दरात सहाशे रुपये ब्रास दराने रेती उपलब्ध करून देण्याची घोषणा केली. परंतु, महसूल विभागाच्या माफियांना अभय देणाऱ्या कचखाऊ वृत्तीमुळे ऑनलाइन नोंदणी करूनही घरकूल लाभधारकांना रेती उपलब्ध होऊ शकली नाही.

अनुदान कमीच मिळू लागले घरकुलांसाठी शासनस्तरावर फार कमी अनुदान मिळते. अनेक घरकुलधारक उसनवारी करून घरकुलाचे बांधकाम करतात. मात्र, सर्वांनाच ते शक्य नाही. यामुळे घरकूल लाभार्थ्यांना अनेक आर्थिक अडचणींचा सामना करावा लागत आहे. माफक दराची रेती पोहोचली नसल्याने अनेकांचे घरकूल अर्धवट आहेत. याकडे महसूल विभागाने लक्ष देऊन ऑनलाइन नोंदणी केलेल्या लाभार्थ्यांना रेती उपलब्ध करून द्यावी, अशी मागणी होत आहे.

वाळूची करावी लागते प्रतीक्षा

शासकीय वाळू धोरणानुसार सर्वांना योग्य दरात रेती उपलब्ध व्हावी, या हेतूने महसूल विभागाकडून रेती संकलन व वाटप करण्यासाठी तालुक्यात विविध ठिकाणी कंत्राट पद्धतीने रेती डेपो निर्माण करण्याचे आदेश देण्यात आले होते. त्यानुसार हजारो ब्रास वाळू संकलन करण्यात आले. सर्वसामान्यांनी माफक दराच्या रेतीची अनेक महिने प्रतीक्षा केली, परंतु घरकूलधारकांना शेवटपर्यंत रेतीची प्रतीक्षाच करावी लागली आहे. त्यामुळे रेती डेपोतील संकलित हजारो ब्रास वाळू नेमकी कुणाच्या घशात गेली ते कळायला मार्ग नाही. गोरगरिबांच्या घरकुलांना तडा गेला असल्याची स्थिती आहे.

रेती लवकरच उपलब्ध केली जाईल

वाळू मागणीसाठी ऑनलाइन नोंदणी केलेल्या जिल्ह्यातील अनेक घरकूलधारकांना रेती वाटप करण्यात आली आहे. काही तांत्रिक अडचणींमुळे अनेक लाभार्थ्यांना रेती वाटप करणे शक्य झाले नाही. त्याबाबत लवकरच निर्णय घेऊन उर्वरित लाभार्थ्यांना रेती उपलब्ध करून देण्यात येईल, असे महसूल विभागाच्या अधिकाऱ्यांनी सांगितले.

डाव्या कालव्यातून १९ गावांना मिळणार चांदपूर जलाशयाचे पाणी

उन्हाळी धान पिकांना सिंचनाचे नियोजन : जलाशयात ३४ फूट पाणी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

(सिहोरा) : तुमसर तालुक्यात सर्वाधिक सिंचन क्षेत्र असणाऱ्या मध्यम प्रकल्प चांदपूर जलाशयाचे पाणी यंदा रोटेशन पद्धतीने डावा कालवा अंतर्गत उन्हाळी धानाच्या पिकांना सिंचनासाठी वाटप केले जाणार आहे. यात चुल्हाड आणि बपेरा जिल्हा परिषद क्षेत्रातील १९ गावांचा समावेश करण्यात आला आहे. टेलवरील काही गावांची शेती ओलिताखाली आणली जाणार आहे. जानेवारी महिन्यात जलाशयाचे पाणी कालव्यात सोडले जाणार असल्याची माहिती मिळाली आहे.

यंदा डावा कालवा अंतर्गत मध्यम प्रकल्प चांदपूर जलाशयाचे पाणी गावांना वितरण करण्याचे रोटेशन असल्याने पाटबंधारे विभागाने उन्हाळी धानाचे पिकांना पाणी वाटप करण्याचे नियोजन तयार केले आहे. डावा कालवा अंतर्गत खरीप हंगामात ६ हजार हेक्टर आर आणि उन्हाळी धानाचे पिकांना २,३०० हेक्टर आर. शेती सिंचित करण्यात येत आहे. चांदपूर जलाशयाची पाणी साठवणूक क्षमता ३६ फूट असल्याने उजवा आणि डावा कालवा अंतर्गत

गावांना पाणी वाटप करताना रोटेशन पद्धती अमलात आणली जात आहे.

डावा कालवाअंतर्गत चुल्हाड आणि बपेरा जिल्हा परिषद क्षेत्रातील गावांचा समावेश करण्यात आला आहे. या दोन्ही जिल्हा परिषद क्षेत्रातील १९ गावांची नोंद घेण्यात आली आहे. डावा कालवाअंतर्गत गावांना पाणी वाटप करताना टेलवरील गावांची संख्या नगण्य आहे. यामुळे उन्हाळी धानाच्या पिकांना पाणी वाटपात यंत्रणेला त्रास होत नाही. समतल भागात गावे व शेती असल्याने पाण्याचा प्रवाह जलद गतीने राहात आहे.

चांदपूर जलाशयाच्या पाणी वाटपात चांदपूर, टेमनी, मांगली, गोंदेखारी, चुल्हाड, वारपिंडकेपार, महालगाव, ब्राह्मणटोला, बपेरा, देवसर्रा, बिनाखी, गोंडीटोला, सुकळी नकुल, देवरी देव गावाचे सिंचन क्षेत्र उन्हाळी धान पिकांचे घेण्यात आले आहे. दरम्यान, चांदपूर जलाशयाची पाणी साठवणूक क्षमता ३६ फूट आहे. सध्या जलाशयात ३४ फूट पाणी शिल्लक असून, जलाशय ओव्हरफ्लो होण्यासाठी २ पावले दूर आहे.

त्या गावांना किती दिवस ठेवणार वंचित

उजवा कालवाअंतर्गत गावांची संख्या अधिक आहे. हेक्टर आर. क्षेत्र वाढते आहे. यामुळे उन्हाळी धान पिकांना पाणी वाटप करताना काही गावांना वगळण्यात येत आहे. गेल्या वर्षात उजवा कालवाअंतर्गत गावांना उन्हाळी धान पिकांना पाणी वाटप करताना सोनेगाव, बोरगाव, सिहोरा, सिलेगाव, सिंदपुरी गावे वगळण्यात आली होती. ही गावे यंदाही वंचित राहणार आहेत. ही गावे उजवा कालवाअंतर्गत गावाच्या श्रेणीत येत असल्याने यंदा विचारात घेतली जाणार नाहीत.

शेतकऱ्यांनी सोडला सुटकेचा निःश्वास

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

पालांदूर : बीटी १० वाघिणीची पालांदूर परिसरात दोन दिवसांपासून मोठी दहशत होती. निमगाव घोडेझरी मॅगापूर परिसरात तिने हजेरी लावली होती. त्यामुळे परिसरातील शेतकरी वर्गात दहशत निर्माण झाली आहे. वनविभाग सुद्धा तिच्या मागावर आहे.

शुक्रवारला सायंकाळी देवरी जंगलात ती दिसल्याने शेतकऱ्यांनी सुटकेचा निःश्वास सोडला आहे. ती दिसल्याला हजेरी बीटरक्षक नितीन पारधी यांनी दुजोरा दिला आहे.

पहाटे फिरणारे व शेतात काम करणारे वाघिणीच्या हजेरीने दहशतीत आले आहेत. मंगळवारी निमगावच्या नाल्यावर नागरिकांना ती दिसली होती. त्यानंतर ती त्याच परिसरात घोडेझरी परिसरात फिरत असल्याची माहिती होती. मात्र त्यानंतर तिच्या वास्तव्याबद्दल अफवा पसरल्याने परिसरातील नागरिकांमध्ये मोठी दहशत निर्माण झाली होती.

सानगाव सायगाव देवरी जंगलात वाघिणीने प्रवाशांना दिसल्यावर पुन्हा ती जंगलाकडेच वळल्याची माहिती आहे. यापूर्वीसुद्धा ती याच जंगलात वास्तव्याला होती. विशेष म्हणजे तिने अजून पर्यंत गावकऱ्यांना किंवा मानवी वस्तीला धोका निर्माण केला नाही.

वाघिणीला पाहण्यासाठी गर्दी

सध्या बीटी १०फ वाघीण पालांदूर परिसरात पाच ते सात किलोमीटर अंतरात फिरत आहे. परिसरात दिसताच तिच्या वास्तव्याबद्दल भ्रमणध्वनीवरून गावात पसरते. त्यानंतर तिला पाहण्यासाठी दुचाकीवरून तरुण वर्ग जंगल गाठत असल्याने धोक्याची शक्यता आहे. वन विभागाने नागिरकांना सावधगिरीच्या आणि सतर्क राहण्याच्या सूचना दिल्या आहेत. वाघिणीला कुणीही त्रास देऊ नये. जवळ जाण्याचा अथवा सेल्फी घेण्याचा प्रयत्न करू नये, असे आवाहन केले आहे.

घराकडे परतणाऱ्या शेतकऱ्याला हवालदाराच्या वाहनाची धडक

रुग्णालयात मृत्यू : दोन जनावरेही दगावली

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

करडी-पालोरा : शेतशिवारातून जनावरे घेऊन घराकडे परत जात असलेल्या एका शेतकऱ्याला पोलिस हवालदार चालवित असलेल्या वाहनाने जोरदार धडक दिली. यात शेतकऱ्याचा जागीच मृत्यू झाला. तसेच दोन जनावरेही दगावली. ही घटना देव्हाडा तिरोडा मार्गावर रविवारी सायंकाळी ५:३० वाजताच्या सुमारास घडली. हिरालाल हगरू कांबळे (वय ४८) रा. देव्हाडा खुर्द असे मृत शेतकऱ्याचे नाव आहे.

माहितीनुसार, हिरालाल कांबळे हे देव्हाडा खुर्द येथील शेतात जनावरे चराईसाठी गेले होते. सायंकाळच्या सुमारास जनावरे घेऊन देव्हाडाकडे परत जात होते. याच दरम्यान करडी पोलिस ठाणे येथे हवालदार पदावर

कार्यरत असलेले नोवेंद्र रवींद्र ठाकरे हे याच दरम्यान त्यांनी मागून हिरालाल कांबळे यांना जोरदार धडक दिली. कांबळे यांचा जागीच मृत्यू झाला. या अपघातात दोन जनावरेही वाहनात सापडल्याने ती दगावली. करडी पोलिसांनी घटनेची नोंद केली आहे. ठाकरे हे मद्य प्राशन करून वाहन चालवित असल्याचे बोलले जात आहे.

तपास ठाणेदार विलास मुंडे यांच्या मार्गदर्शनात सहायक उपनिरीक्षक राजेश डोंगरे, बीख अंमलदार प्रफुल वालदे करीत आहेत.

जमावाने दिला वाहनचालकाला चोप

पोलिस ठाणे येथे हवालदार पदावर कार्यरत असलेले नोवेंद्र रवींद्र ठाकरे हे स्वतःच्या चारचाकी वाहनाने कांबळे यांना धडक दिली. तसेच त्यांच्यासह दोन जनावरे दगावली. यावेळी तिथे उपस्थित असलेल्या संतप्त जमावाने हवालदार नोवेंद्र ठाकरे याला जबर मारहाण केली. गंभीर जखमी झाल्याने ठाकरे यांना खासगी दवाखान्यात उपचारार्थ दाखल करण्यात आले आहे. वेळेत पोलिस कर्मचारी घटनास्थळी आल्याने ठाकरे याला जमावाच्या तावडीतून सोडविण्यात आले.

युवा महोत्सवात युवक-युवतींनी सहभाग घेण्याचे आवाहन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : युवकांचा सर्वांगीण विकास करणे, संस्कृती-परंपरा जतन करणे, युवकांच्या अंगी असलेल्या सुप्त गुणांना वाव देणे व राष्ट्रीय एकात्मता वाढीस लागणे, यासाठी दरवर्षी जिल्हा, विभाग, राज्य व राष्ट्रीय स्तरावर युवा महोत्सवाचे आयोजन क्रीडा विभागातर्फे करण्यात येते. यावर्षी राष्ट्रीय युवा महोत्सवाचे आयोजन दि. १२ ते १६ जानेवारी या कालावधीत होणार आहे.

यावर्षी जिल्हास्तरीय युवा महोत्सवाचे आयोजन हे 'विज्ञान व तंत्रज्ञान' या नवसंकल्पनांवर आयोजित करावयाचे आहे. राष्ट्रीय युवा महोत्सवात महाराष्ट्र राज्यासाठी विज्ञान तंत्रज्ञानाचा वापर या संकल्पनेवर आधारित जिल्हास्तरीय युवा महोत्सवाचे आयोजन जिल्हा क्रीडा अधिकारी कार्यालयामार्फत करण्यात येणार

आहे. युवा महोत्सवामध्ये विज्ञान व तंत्रज्ञान या संकल्पनेवर आधारित प्रदर्शने, सांस्कृतिक स्पर्धा, लोकगीत, लोकनृत्य, कौशल्यविकास स्पर्धा, कथालेखन, चित्रकला, वक्तृत्व स्पर्धा, कविता, हस्तकला, वस्त्रोद्योग अशा विविध स्पधार्चा समावेश आहे.

या महोत्सवात १५ ते २९ वयोगटातील युवक व युवती सहभागी होऊ शकतील. स्पर्धेमध्ये प्राविण्यप्राप्त खेळाडूंना शासनाद्वारे विविध पारितोषिके तसेच प्रमाणपत्र देण्यात येईल.

जिल्हास्तरीय युवा महोत्सवामध्ये प्रथम क्रमांक प्राप्त करणाऱ्या युवक व युवती यांची विभागस्तरावर निवड करण्यात येते व विभागस्तरावर प्राविण्य प्राप्त प्राप्त करणाऱ्या युवक व युवतींची विभागस्तरावर निवड करण्यात येते. विभागस्तरावर प्राविण्य प्राप्त करणाऱ्या युवक-युवतींची निवड राज्यस्तरीय स्पधेसाठी केली जाते, असे जिल्हा क्रीडा अधिकारी लतिका लेकुरवाळे यांनी सांगितले.

जिल्हा क्रीडा अधिकारी कार्यालय, भंडारातर्फे आयोजित होणाऱ्या जिल्हास्तरीय युवा महोत्सवाचे आयोजन विज्ञान व तंत्रज्ञान यामधील नवसंकल्पनांवर आयोजित करावयाचे आहे. यामध्ये भंडारा जिल्ह्यातील संगीत महाविद्यालय, वरिष्ठ व कनिष्ठ महाविद्यालय, समाजकार्य महाविद्यालय, महिला मंडळ, सांस्कृतिक मंडळ, जिल्ह्यातील इंजिनिअरिंग महाविद्यालय, वैद्यकीय महाविद्यालय, कृषी महाविद्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, शाळा- महाविद्यालये, शैक्षणिक संस्था आदींमधील १५ ते २९ वर्ष वयोगटातील व युवक व युवती यांनी जिल्हास्तरीय युवा महोत्सवामध्ये जास्तीत जास्त संख्येने सहभागी व्हावे, असे आवाहन जिल्हा क्रीडा अधिकारी लतिका लेकुरवाळे यांनी केले आहे.

बा' रायगड परिवारा'चा पुढाकार

अंबागड किल्ल्यावर श्रमदान, स्वच्छता व गडपूजन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : सातपुडा पर्वतरांगेत असलेला किल्ला अंबागड अत्यंत दुर्लक्षित अवस्थेत पडून अंतिम घटका मोजत होता. ४० वर्षांपूर्वी किल्ला अभ्यासक मो. सईद शेख यांनी किल्ल्याचा कायापालट व्हावा म्हणून कसोशीने प्रयत्न केला. या किल्ल्यावर 'बा रायगड परिवारा'तर्फे किल्ल्याची स्वच्छता, प्राचीन वैभवप्राप्तीसाठी श्रमदान, स्वच्छता, संवर्धन मोहीम तथा गडपूजनचे आयोजन करण्यात आले.

पुरातत्त्व विभागाच्या वरिष्ठ अधिकाऱ्यांना अनेकदा त्यांनी येथे पाचारण केले. काही डागडुजी व विकासकामे झाली; पण काही शेष कामे आहेत. झाडेझुडुपे, केरकचरा वाढलेला होता. काही जागी भिंतीवर लिखाण होते. स्वच्छता करणे गरजेचे होते. याकरिता 'बा रायगड परिवारा'ने दखल घेऊन मागील काही वर्षांपासून सतत

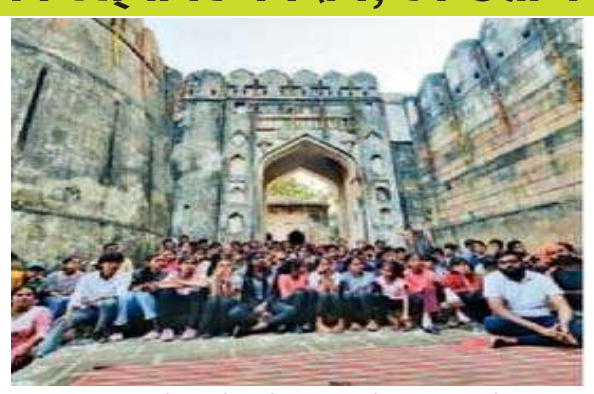

गडावर स्वच्छता मोहीम घेण्याचे ठरविण्यात आले होते.

यामध्ये किल्ल्याची स्वच्छता, प्राचीन वैभवप्राप्तीसाठी श्रमदान, स्वच्छता, संवर्धन मोहीम तथा गडपूजन करण्यात आले. 'जय भवानी, जय शिवाजी'चा जयघोष करण्यात आला. या कार्यात २४० मुले-मुलींनी सहभाग घेत गडावरील वाढलेली झाडेझुडुपे श्रमदान करून स्वच्छ करण्यात आली. परिसर स्वच्छ करून, रांगोळी काढून महाद्वार, मुख्य बुरुज पुष्पहारांनी सजविले.याप्रसंगी राजे जयसिंग भोसले, महागड संवर्धन समिती सदस्य अतुल गुरू, किल्ल्याचे अभ्यासक मो. सईद शेख, 'बा रायगड परिवार'चे अध्यक्ष चैतन्य दादा भालेराव, उदय टेकाडे, राजू खवसकर आदी उपस्थित होते.

प्रमुख पाहुण्यांचा शाल, श्रीफळ देऊन सत्कार करण्यात आला. मान्यवर पाहुण्यांनी योग्य मार्गदर्शन केले. श्रमदानापश्चात महाद्वारजवळ मुला मुलींनी नेत्रदीपक शिवकालीन शस्त्रप्रदर्शन केले. या मोहिमेत 'शिवबा राजे फाउंडेशन', 'मावळे फाउंडेशन' सिंगोरी, गुरुकृपा अखाडा टेकाडी, राजे फाउंडेशन कन्हान, शिवशक्ती आखाडा नागपूर, वॉरियर्स मॉक नागपूर, समृद्धी स्पीकिंग अकॅडमी मौदा, राष्ट्रीय सेवा योजना टीम एम. बी. पटेल कॉलेज साकोली, ग्रीन हेरिटेज, भंडारा या संस्था सहभागी झाल्या होत्या.

उपक्रमासाठी श्रीधर वडे, वैष्णवी श्रीधर वडे, दिगंबर बखाल, कौस्तुभ गोलतकर, सौरभ गभणे, रवी सेलोकर, प्रशांत गोरले, मुकेश नेताम, अभिलाष मोटघरे, दीपक पिकलमुंडे, लोकेश आखरे, स्वप्नील वडे, साक्षी वडे, कृत्तिका खेडेकर, शुभांगी वैद्य, रोशनी झोड, शुभम गिरी, शिवानी अंबिलधुके, वंदना झोड, साहिल करडभाजणे, वंश वडे, शुभम वैद्य, प्रज्वल मारबते, गणेश मैसागर, प्रफुल्ल बर्गतकर यांच्यासह अन्य संस्था पदाधिकाऱ्यांनी सहकार्य केले.

खरिपातील नुकसान भरून काढण्यासाठी शेतकऱ्यांची धडपड

बोअरवेल्सवर रब्बीतील सिंचनाची सर्वाधिक भिस्त

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिल्ह्यात सिंचनाचा टक्का अद्यापही फारसा वाढलेला नाही. त्यामुळे बहुतेक शेतकरी अद्यापही मोसमी पावसावर व सिंचनासाठी बोअरवेल्सवर अवलंबून आहेत. यंदा खरिपात शेतकऱ्यांचे मोठे नुकसान झाले. झालेले नुकसान भरून काढण्यासाठी शेतकऱ्यांनी रब्बीच्या पेरणीवर भर दिली आहे. त्यामुळे यंदा सिंचनाची सर्वाधिक भिस्त बोअरवेल्सवर राहणार आहे.

जिल्ह्यात खरीप हंगामात शेतकऱ्यांनी धान पिकांवर जिवापाड मेहनत घेतली. मात्र, ऐन कापणीच्या अवस्थेत अवकाळी पावसाने नुकसान केले. त्यातही परिपक्वतेच्या अवस्थेत लष्करी अळीने आक्रमण केल्याने अल्पावधीत मोठी हानी झाली. परंतु, तरीही शेतकऱ्यांनी काळ्या मातीला वाऱ्यावर सोडले नाही.

झालेला तोटा भरून काढण्यासाठी शेतकरी रब्बी हंगामाच्या तयारी जोमात सुरू केली आहे. बोअरवेलच्या माध्यमातून ओलितासाठी

धडपड सुरू आहे. भंडारा जिल्ह्यातील बहुतांश शेतकऱ्यांची सर्व मदार ही खरीप हंगामावर अवलंबून असते.

मागील चार वर्षांपासून एकही हंगाम शेतकऱ्यांना साथ देताना दिसला नाही.

परिणामी, कजार्चा डोंगर कमी होण्याऐवजी वाढतच चालला आहे. निराशा झटकून शेतकरी प्रत्येक हंगामात शेतात राबराब राबतो. यंदा पीकपाणी चांगले दिसत असताना अतिवृष्टी व लष्करी अळीने शेतकऱ्यांच्या स्वप्नावर पाणी फेरले. त्यामुळे शेतकऱ्यांपुढे संकट उभे ठाकले आहे. होणारे नुकसान भरून काढण्यासाठी यंदा शेतकऱ्यांची भिस्त रब्बी पिकांवर अवलंबून राहणार आहे.

हमीभाव केंद्र बंदच, शेतकऱ्यांची लूट

यंदा खरीप हंगामाने दगा दिल्यानंतर शासनानेसुद्धा शेतकऱ्यांना वाऱ्यावर सोडल्याची भावना शेतकऱ्यांत आहे. खुल्या बाजारात प्रति क्विंटल २ हजारा रुपयांचा भाव शेतकऱ्यांना मिळतो आहे. कृषी उत्पन्न बाजार समितीम- धूनही कवडीमोल भाव व्यापाऱ्यांकडून मिळत आहे. त्यामुळे शेतकऱ्यांची काय करावे, अन् काय नाही, द्विधा मनस्थिती आहे. त्यामुळे रब्बीतील उत्पादनात वाढ करण्यासाठी शेतकरी सिंचन सुविधांवर भर देतांना दिसत आहेत.

वृक्षतोडीमुळे मानवी जीवनावर परिणाम; पक्ष्यांच्या प्रजाती लुप्तच्या मार्गावर

लावलेली झाडे जगविण्यासाठी प्रयत्न हवेत

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : निसगार्चा समतोल राखण्यात महत्त्वाचा घटक असलेली वनसंपदा दिवसेंदिवस नष्ट होत आहे. वृक्षतोडीचा मानवी जीवनावर जसा परिणाम होत आहे, तसाच परिणाम पशुपक्षी व वन्यप्राण्यांवरही होत आहे. याच कारणामुळे पक्ष्यांच्या अनेक प्रजाती लुप्त होण्याच्या मार्गावर आहेत.

अन्न, वस्त्र आणि निवाऱ्यासोबत मानवासह प्राणिमात्रांना जगण्यासाठी शुद्ध वातावरणाची गरज असते. शुद्ध वातावरणनिर्मिती वृक्षांमुळे होते. शुद्ध वातावरण देणाऱ्या मूळ स्त्रोतांवरच

मानवाने घाला घातल्याने त्याचा परिणाम मानवासह पक्ष्यांवर झाला आहे. जंगल नष्ट होत असताना शासनाकडून कोणतीच ठोस उपाययोजना केली जात नाही. आता अल्पशा क्षेत्रात जंगल उरले आहे. त्याला वाचविण्यासाठी प्रयत्न होत नाहीत. लावलेली झाडे जगविण्याचा अभाव या कारणामुळे निसगार्चा समतोल बिघडला असून, यातूनच ग्लोबल वॉर्मिंगची समस्या निर्माण झाली आहे. शुध्द हवा मिळत नसल्याने निसर्गाच्या सौंदर्यात भर पाडणाऱ्या पक्ष्यांची संख्यासुध्दा अत्यंत कमी होत चालली आहे.

यावर ठोस उपाययोजना करण्यात आली नाही तर येत्या काळात पक्ष्यांच्या जातीचे अस्तित्व नाहीसे झाल्याशिवाय राहणार नाही. मानवी जीवनामध्ये वृक्षांचे अनन्यसाधारण महत्त्व आहे. वृक्षांमुळे मनुष्याला औषधी, इंधन, इमारतीसाठी लाकडे, फळ, फुले मिळतात तसेच पर्यावरणाचे संवर्धनसुध्दा होत असते. वृक्षतोड व नवीन झाडे लावण्याचा अभाव यामुळे वृक्ष हाच आधार असलेली पक्ष्यांची संख्या लुप्त होण्याच्या मार्गावर आहेत. गरजा पूर्ण करण्यासाठी मानव सर्रास वृक्षांची कत्तल करीत आहे.

सिमेंटची जंगले वाढली

पूर्वी लोकसंख्या कमी होती. गावांमध्ये मोठमोठी झाडे होती. घरापुढे, घरांच्या परिसरात, शेतावर विविध प्रकारच्या झाडांची लागवड व्हायची. या झाडांवर पक्ष्यांचे वास्तव्य असायचे. परंतु, सर्वच ठिकाणी वृक्षांच्या जंगलांपेक्षा सिमेंटचे जंगल उभे होऊ लागले आहे. परिणामी पक्ष्यांचे निवारे नष्ट झाले. जगण्यासाठी आवश्यक वातावरण निर्माण होत नसल्यामुळे पक्ष्यांच्या अनेक प्रजाती नाहीशा होऊ लागल्या आहेत.

कर्मवीर गायकवाड सबलीकरण योजनेसाठी अर्ज आमंत्रित

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : कर्मवीर दादासाहेब गायकवाड सबलीकरण व स्वाभिमान योजनेंतर्गत शेतजमीन विक्रीसाठी अर्ज करण्याचे आवाहन समाजकल्याण विभागाने केले आहे.

अनुसूचित जाती व नवबौद्ध घटकातील लोकांचे उत्पन्नाचे साधन वाढावे व त्यांच्या राहणीमानात बदल व्हावा. तसेच त्यांचे मजुरीवर असलेले अवलंबित्व कमी होऊन त्यांना कायमस्वरुपी उत्पन्नाचे साधन उपलब्ध व्हावे, याकरिता महाराष्ट्र शासनाच्या सामाजिक न्याय व विशेष साहाय्य विभागामार्फत सन २००४ पासून कर्मवीर दादासाहेब गायकवाड सबलीकरण व स्वाभिमान योजना अनुसूचित जाती व नवबौद्ध घटकांतील भूमिहीन शेतमजुरांसाठी राबविण्यात येत आहे. जिल्ह्यात या योजनेकरिता ज्या शेतक-यांना शासकीय दराने शेती विकायची आहे, त्यांनी सहाय्यक आयुक्त, समाजकल्याण कार्यालय, भंडारा यांच्याकडे त्वरित अर्ज सादर करावे. शेती किमान २ एकरी ओलिताखाली किंवा ४ एकर कोरडवाहू असावी. शेतजमीन खरेदीली कमाल मयार्दा नाही. जिरायती शेतीसाठी ५ लाख प्रति एकर व बागायतीसाठी ८ लक्ष प्रति एकर इतकी कमाल मयार्दा शेतजमीन सुपिक व कसण्यायोग्य असावी. शेतजमिनीवर कजार्चा बोजा नसावा. याकरिता नाहरकत प्रमाणपत्र, सातबारा उतारा जोडणे आवश्यक, एकापेक्षा जास्त भोगवटदाराचे नाव असल्यास संमतीपत्र आवश्यक तसेच शेतजमीन विक्री बाबतचे नाहरकत प्रमाणपत्र आवश्यक.

शेतजमिनीवर वित्तीय बोजा नसल्याबाबतचे तलाठी यांचे प्रमाणपत्र आवश्यक.

प्रचार वाहनों से आरटीओ के खजाने में करीब 9.2 लाख रुपए हुए जमा

चुनाव में 464 वाहनों का किया इस्तेमाल

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिले में तीन विधानसभाओं भंडारा, साकोली और तुमसर में चुनाव प्रचार के लिए 464 छोटे-बड़े वाहनों को अनुमति दी गई थी. प्रचार के लिए इस्तेमाल किए गए वाहनों की फिटनेस का निरीक्षण करना पड़ता था. इसमें 200 रुपए से लेकर 2000 रुपए तक निरीक्षण शुल्क देना पड़ा. इससे उप प्रादेशिक परिवहन विभाग को 9 लाख 2 हजार 500 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ. विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए इस्तेमाल होने वाले अच्छी स्थिति में होने की उम्मीद की जाती है.

इनकी जांच का कार्य उप क्षेत्रीय परिवहन विभाग की ओर से किया जाता है. इसी के तहत विभिन्न राजनीतिक पदाधिकारियों ने कई वाहनों की फिटनेस की विधिवत जांच कर अभियान चलाया. अनफिट वाहनों से दुर्घटना होने की आशंका के चलते यह विशेष सावधानी बरती जा रही है.

रिक्शा, भोंगे, टैक्सी व ओपन जिप्सी की डिमांड

शहर में प्रचार के लिए ऑटो रिक्शा की मांग ज्यादा थी. इसके अलावा रैली या प्रदर्शन के लिए प्रचार में अधिकतर चार पहिया वाहनों को लगाया गया था. वहीं जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशियों ने प्रचार के लिए सबसे ज्यादा खुली जिप्सी का इस्तेमाल किया. शहरी और ग्रामीण इलाकों में प्रत्याशी खुली जिप्सी में घूमते नजर आये.

चुनाव के बाद भी प्रत्याशियों ने विजय जुलूस निकालने के लिए जिप्सी को प्राथमिकता दी. वहीं जिले में राजनीतिक दलों ने तीनों विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार के लिए वाहनों की अनुमति ली थी. तदनुसार, ये वाहन कस्बों और गांवों में उम्मीदवारों का प्रचार करते देखे गए.

परिवहन विभाग को 9 लाख की आय

विभिन्न दलों की ओर से कुल 464 वाहनों को अनुमति दी गई. इससे उपक्षेत्रीय परिवहन विभाग को 9,02,500 रुपए की आय हुई है. प्रत्याशी के शक्ति प्रदर्शन के दौरान प्रचार के लिए खुली जिप्सी का प्रयोग किया गया. प्रत्याशियों ने खुली जिप्सियों के जरिए शहर में जमकर प्रचार किया.

ड्राइवरों को मिला रोजगार

विधानसभा चुनावों के प्रचार के लिए राजनीतिक दलों और उनके उम्मीदवारों ने निजी वाहनों का इस्तेमाल किया. इससे ड्राइवरों को 13 से 15 दिन का रोजगार मिला. बेरोजगारों को मौसमी रोजगार मिला.

जिले में सुगंधित तंबाकू की धड़ल्ले से बिक्री

कार्रवाई को लेकर प्रशासन की उदासीन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : राज्य समेत जिले में सुगंधित तंबाकू, गुटखा पर सख्त पाबंदी होने के बावजूद भी परिसर में इसकी जोरों पर तस्करी समेत खुलेआम बिक्री हो रही है. जानकारी के अनुसार हर पानठेला, चाय की टपरी से लेकर छोटी-छोटी दुकानों पर पं खुलेआम सुगंधित तंबाकू की धड़ल्ले से अन्न औषधि प्रशासन की ओर से इसके खिलाफ सिर्फ दिखावे की कार्रवाई कर रहा है. कुछ समय पूर्व चंद स्थानों पर कार्रवाई की गई लेकिन उस कार्रवाई में कुछ दम - नहीं था. अवैध गुटखा विक्री पर कार्रवाई करने की मांग निरंतर की जा रही है. परंतु पुलिस प्रशासन एवं अन्न औषधि प्रशासन विभाग इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं. इस विभाग की ओर से कार्रवाई के नाम पर महज खानापूर्ति की जाती है. इससे प्रतिबंधित तंबाकू, गुटखा बेचने वालो पर दबाव बनने की बजाए उनके हौसले बुलंद हो रहे हैं. शहर में प्रतिबंधित तंबाकू एवं गुटखा बेचने वाले का गिरोह सक्रिय है.

अवैध गुटखा विक्रेताओं पर होगी कार्रवाई

जिले में कहीं पर भी अवैध रूप से गुटखा बिक्री की खबर मिलते ही उन के खिलाफ निरंतर कार्रवाई की जा रही है, इसमें अन्न व औषधि विभाग के अधिकारियों का सहयोग प्राप्त हो रहा है. कही पर भी गुटखा बिक्री की जानकारी मिलते ही. नागरिकों ने पुलिस को सूचित करना चाहिए.

विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे नई बस्ती के लोग

नप प्रशासन की अनदेखी का नतीजा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : शहरवासियों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराना नप प्रशासन का प्रथम कर्तव्य होने के बावजूद शहर के अनेक वार्डों के नई बस्ती के नागरिकों को विभिन्न समस्याओं से जूझना पड़ रहा है. लेकिन नप के विभाग प्रमुखों की अनदेखी के कारण नागरिकों में रोष का वातावरण निर्माण हुआ है. शहर के विनोबा नगर प्रभाग क्रमांक 11 में गंदगी का साम्राज्य है. नागरिक अनेक समस्याओं से घिरे हुए है. नागरिकों द्वारा अनेकों बार नप प्रशासन का ध्यानाकर्षण किया गया. लेकिन प्रशासन की अनदेखी से लोगों में रोष व्याप्त हैं. परिसर में जहां मकान है उसके आजू बाजू खाली प्लाट पर पानी का दलदल होने से हमेशा सांप कीटाणुओं का डर बना रहता है.

अधिक बारिश होने पर हालात काफी गंभीर होते हैं, खाली प्लाट्स पर हो रही गंदगी, पानी का जमाव होने से मच्छरों का आतंक बढ़ रहा है.

नप द्वारा ध्यान देने की आवश्यकता

नए परिसर में दोनों बाजुओं में पक्के घरों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, लेकिन नाली के अभाव में मकानों का गंदा पानी कहां से निकालना है यह सवाल खड़ा होता है. इससे परिसर में दुर्गंध फैलती है एवं परिसर में रहने वाले लोगों का जीना दुश्वार हो जाता है. प्रभाग की समस्याओं की ओर नप मुख्याधिकारी, नप के स्वास्थ्य विभाग के अभियंता द्वारा ध्यान देने की आवश्यकता है.

अब तक किसी तरह की कार्रवाई नहीं हुई

विनोबा नगर में मातोश्री शाला के आजू बाजू के परिसर में पक्की सड़कें नहीं होने से नागरिकों के साथ विद्यार्थियों को भारी परेशानी होती है. इस बारे में नागरिकों द्वारा नप प्रशासन को अवगत कराने पर कभी सीमेंटीकरण तो कभी खडीकरण सड़क मंजूर होने का आश्वासन दिया जाता है. लेकिन अब तक किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई है. नागरिकों द्वारा तत्काल सड़क का निर्माण कार्य मंजूर कर लोगों को राहत दिलाने की मांग की गई है.

महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक जीत के बाद बनेगी नई सरकार

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भंडारा जिले के तीनों विधानसभा सीटों के नतीजे शनिवार को देर शाम तक घोषित होने के बाद भंडारा के विधायक नरेंद्र भोंडेकर तथा तुमसर के विधायक राजू कारेमोरे विधायकी के प्रमाणपत्र लेकर तत्काल मुंबई के लिए रवाना हो गए, जो मुंबई पहुंच गए है।

इसके पूर्व महायुति के दोनों उम्मीदवारों ने अपने-अपने क्षेत्र में विजयी रैली निकालकर सभी मतदाताओं का आभार माना। राज्य विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार बनने जा रही हैं। सत्ता स्थापना के दौरान नई सरकार में भोंडेकर तथा कारेमोरे को मंत्री पद मिले, इस चाह में वे दोनों अपने समर्थकों के साथ मुंबई के लिए रवाना हो गए है। बता दें कि भोंडेकर तीसरी बार विधायक चुने गए है। वहीं रिकार्ड वोटों से दूसरी बार राजू कारेमोरे विधायक बने है।

उन्होंने स्थानीय शरद गुट के नेता चरण वाघमारे को 64 हजार 305 वोटों से पराजित किया है। इस बड़ी जीत से कारेमोरे का कद पार्टी के सामने बढ़ गया। है। वहीं कारेमोरे यह सांसद प्रफुल पटेल के करीबी माने जाते है। ऐसे में उन्हें लाभ मिलता है या नहीं यह कुछ समय में स्पष्ट हो जाएगा। लेकिन इस विधानसभा चुनाव के नतीजे सभी को चौंकाने वाले थे। विशेषकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले की साकोली सीट के नतीजे सर्वाधिक चर्चा में रहे है।

स्वच्छ भारत अभियान की सफलता पर लगा प्रश्नचिन्ह

शौचालय के बावजूद खुले में कर रहे शौच

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : स्वच्छ भारत अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों रुपये खर्च कर शौचालयों का निर्माण किया गया है. लेकिन ग्रामीण क्षेत्र के नागरिक इसका उपयोग नहीं करते हैं और खुले में ही शौच करने जा रहे हैं. शौचालयों में कहीं कबाड़ भर दिया गया है. तो कहीं शौचालय बहुत ही खराब स्थिति में हैं. योजना के तहत शौचालय निर्माण के लिए गांव में हर परिवार को 12,000 रुपये की राशि दी गई थी. ताकि लोग खुले में शौच के लिए न जाए और गंदगी न फैले, परिणाम स्वरुप आज भी खुले में शौच की प्रवृत्ति बरकरार है. घर में शौचालय होते हुए भी कई लोग खुले में ही जा रहे है. हालांकि प्रशासन की ओर से खुले में शौच के लिए जाने वाले लोगों को रोकने कई तरह की उपाय योजना की गई. इसमें लोगों पर कार्रवाई हुई है. यहां तक कि ग्रामीण में दस्ते तक तैयार किए गए. जिसका असर नहीं हुआ है.

शौचालयों को बनाया स्टोर रूम

घरों में शौचालयों का निर्माण भी किया गया है. लेकिन लोग शौचालयों का उपयोग लकड़ी, भूसा, कंडा रखने के लिए कर रहे हैं. या फिर शौचालय जर्जर होने लगे हैं. शौचालय बनवाने के बाद पंचायतों द्वारा भी यह ध्यान नहीं दिया जा रहा है और न ही लोगों को खुले में शौच जाने से रोका जा रहा है. अभियान की शुरूआत में लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाए गए थे. शौचालय उपयोग करने के लिए प्रेरित भी किया गया था. अधिकांश लोग भी स्वच्छता को लेकर जागरूक नहीं हो रहे हैं.

नहीं दिया कार्य की गुणवत्ता पर ध्यान

शौचालय का निर्माण करते समय गुणवत्ता का ध्यान नहीं दिया गया. सिर्फ नाम के लिए शौचालयों का निर्माण करा दिया गया है. जिससे कुछ दिनों बाद अधिकांश शौचालय बिना उपयोग के ही गिर जाएंगे. जो जागरूक हितग्राही थे. उन्होंने शौचालय का निर्माण अच्छे से कराया है.

सरकारी योजनाओं का करें सदुपयोग : दुबे

सामाजिक कार्यकर्ता विजयकुमार दुबे ने कहा कि, सरकार द्वारा ग्रामीणों को दी जा रही योजनाओं का सदुपयोग करना चाहिए. यदि शौचालय का निर्माण कार्य किया गया हो तो उसका उपयोग करना चाहिए. खुले में शौच नहीं करते हुए स्वच्छ भारत अभियान को साकार करना चाहिए.

21 वीं पशु गणना की हो गई शुरूआत

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : 21वीं पशु गणना 25 नवंबर से शुरू हो गई है. अभियान अभि 28 फरवरी 2025 तक चलेगा. ग्रामीण क्षेत्रों के लिए हर तीन हजार परिवारों पर एक प्रगणक और शहरी क्षेत्र के लिए चार हजार परिवारों पर एक प्रगणक नियुक्त किया गया है. जिले के पशु चिकित्सा अस्पतालों के कार्यक्षेत्र में कितने पशुधन हैं, इसके आधार पर वैक्सीनेशन, दवाओं की आपूर्ति की जाती है.

इसलिए पशुपालकों से अपील की गई है कि वे अपने पशुधन की सही जानकारी प्रगणक को प्रदान करें, ऐसा आह्वान जिला पशु संवर्धन उपआयुक्त डॉ. अन्नू वरारकर ने किया. 21वीं पंचवर्षीय पशु गणना के लिए कुल 93 प्रगणक और 18 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है. पशु संवर्धन विभाग द्वारा हर पांच साल में पशु गणना की जाती है.

यह अभियान जनगणना की तर्ज पर चलाया जाता है. इस वर्ष की पशु गणना 25 नवंबर से शुरू हो गई है और इसके लिए पशु संवर्धन विभाग ने तैयारी की है. पशु गणना के लिए प्रगणकों की नियुक्ति की गई है और प्रगणक और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया गया है. जिले में ग्रामीण क्षेत्र के लिए 864 गांवों में 81 प्रगणक और 16 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं, जबकि शहरी क्षेत्र के लिए 12 प्रगणक और 2 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं.

फिर भी नगरवासी हैं प्यासे, 7 वर्ष पूर्व शुरू हुई योजना अब भी अधूरी

जलापूर्ति योजना के लिए 47 करोड़ खर्च

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : शहर में जलापूर्ति योजना के लिए सरकार के 47 करोड़ खर्च किए गए हैं. लेकिन अब तक लोगों को नल के माध्यम पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलने से लोगों में रोष व्याप्त है. नप द्वारा 7 वर्ष पूर्व शुरू की योजना का अब तक कार्य पूर्ण नहीं हुआ है एवं लोगों को लाभ पहुंचाने में नाकामयाब रही है.

गत 33 माह से प्रशासन के माध्यम से नप का कामकाज देखा जा रहा है, तब से इस योजना की ओर पूर्णतः अनदेखी की गई है. सरकार के करोड़ों खर्च होने के बावजूद नागरिक लाभ से वंचित हैं, फिर भी प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. इस कारण राज्य सरकार के जनप्रतिनिधियों द्वारा इस ओर ध्यान देकर योजना शुरू करने की दिशा में निर्देश देना चाहिए.

नई पाइप लाइन नहीं कोई लाभ

वर्तमान में वर्षों पुरानी पाइप लाइन से जलापूर्ति की जा रही है, शहर में नई पाइप लाइन बिछाई गई है, लेकिन नागरिकों को उसका कोई लाभ नहीं मिल रहा है. शहर की नई बस्ती के लोगों को नल के कनेक्शन नहीं मिल रहे हैं, दूसरी ओर शहर में हमेशा पानी की समस्या बनी रहती है. अब तक शहर में पुरानी पाइप लाइन के माध्यम से नागरिकों को जलापूर्ति की जा रही है.

शहर की सड़कों की तोड़फोड़ कर बिछाई गई थी पाइपलाइन

वर्ष 2017 में शहरी विकास वर्धित जलापूर्ति योजना के तहत 47 करोड़ रुपये की योजना का भूमिपूजन किया गया था, इसके अंतर्गत संपूर्ण शहर में पाइप लाइन बिछाने एवं 5 नई पानी की टंकियां का निर्माण कार्य किया गया है, योजना अंतर्गत शहर की सड़कों को तोड़फोड़ कर पाइप लाइन बिछाई गई थी.पाइप लाइन का कार्य 18 माह में पूरा कर लोगों को जलापूर्ति करनी थी, अब तक 90 प्रश काम पूरा हो चुका है एवं 10 प्रश कार्य अधूरा पड़ा है, कार्य शुरू होने को 7 वर्ष बीत चुके है, फिर भी पुरानी पाइप लाइनों से नागरिकों को जलापूर्ति की जा रही है.

लोकार्पण के बावजूद नहीं मिल रहा पानी

वहीं शहर में बिछाई गई नई पाइपलाइन का कोई पता नहीं है, जबकि जनवरी 2022 में आयोजित लोकार्पण समारोह में ऑनलाइन में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं प्रत्यक्ष रूप से प्रदेश भाजपाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, पूर्व पालक मंत्री परिणय फुके, पूर्व सांसद सुनील मेंढे एवं पुर्व नगराध्यक्ष प्रदीप पडोले उपस्थित थे, लेकिन अब तक शहर में नई पाइप लाइन से पानी वितरण का नामोनिशान दिखाई नहीं दे रहा है एवं 47 करोड़ की योजना केवल नाम की ही रह गई है. लोगों को आशा थी कि शीघ्र ही 24 घंटे पानी उपलब्ध होगा. लेकिन नई योजना से एक बूंद पानी नसीब नहीं हो रहा है.

साप्ताहिक आवाज भंडारा हे वृत्तपत्र मालक, प्रकाशक, संपादक शमेशर वाहब खान यांनी राकेश प्रिंटींग प्रेस राजिव गांधी चौक, साई मंदीरसमोर तकीया वार्ड , भंडारा येथे छापून साप्ताहिक आवाज भंडारा कार्यालय, तकीया दर्गाह जवळ, तकीया वार्ड भंडारा येथे प्रकाशित केले. मुख्य संपादक -शमशेर खान मोबाईल नंबर - ७९७२७९५६५५ ईमेल-awazbhandara@gmail.com Owner,Publisher, ShamsherWahab Khan on behalf Of Weekly Awaz Bhandara Printed at Rakesh Printing Press, Rajiv Gandhi Chowk(TakiyaWard) Opp.sai mandir Bhandara-441904 and Published at takiya Dargah near Old Majjid, Takiya ward Bhandara 441904 Editor-Shamsher Khan Mo.7972795655
Email- awazbhandara@gmail.com प्रकाशित समाचारों से संबंधित कोई भी वाद भंडारा न्यायालय अंतर्गत निपटारा किया जाएगा !